हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 सितंबर 2025

11 परिषद की लीला में राम-भरत मिलाप देखने उमड़ा भारी जनसैलाब

12 छह माह से सीवर ओवरफ्लो होने से लोग परेशान

प्रथम में12 हजार और द्वितीय में 4800 परीक्षार्थी कर चुके है परीक्षा पास

निरक्षर को साक्षर करने का 'उल्लास': दो परीक्षाओं में 16800 अब तीसरी बार 3350 ने पास किया टेस्ट, अधिकांश बुजुर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अगर कोई अनपढ़ है और वह यह सोचता है कि अब तो उम्र हो गई। इसी सोच को दूर करने और आजीवन सीखने की मंशा को का 'उल्लास योजना' पूरी कर सकती है। अभी तक साल 2024 से अब तक तीन चरणों में 20 हजार से अधिक निरक्षर को साक्षर बनाया जा चुका है। हैरानी की बात है कि इसमें अधिकांश बुजुर्गों की संख्या है।

■ हर सरकारी स्कूल में जन चेतना सेंटर भी किया स्थापित

शिक्षा विभाग की का 'उल्लास योजना' है। इसका मकसद निरक्षर (बिना पढ़े लिखे लोग) को साक्षर मतलब अक्षर ज्ञान दिया जाना है। महेंद्रगढ़ जिला में इसके लिए पहले सर्वे हुआ। फिर वीटी अर्थात वालियन्टर टीचर चिन्हित किए गए। वह वे थे जो नजदीकी या उनके परिवार से संबंध रखते है। उन्होंने इन लोगों को राइटिंग, रीडिंग व अंक गणित के बारे में अक्षर ज्ञान दिया। यहीं नहीं, हर सरकारी स्कूल में जन चेतना सेंटर भी स्थापित किया गया है। जो पढ़ना चाहते है, वह यहां भी आ सकते है।

क्या कहते है को-आर्डिनेटर

उल्लास योजना के जिला को-आर्डिनेटर कर्ण सिंह ने बताया कि सितम्बर 2024 में प्रथम परीक्षा हुई थी। उसमें करीब 12 हजार साक्षर बने और उन्हें बकायदा सर्टिफिकेट दिया गया। उसके बाद दूसरी बार यह परीक्षा मार्च 2025 में 4800 ने परीक्षा पास की। उन्होंने बताया कि अब तीसरी बार यह परीक्षा रविवार को हुई। इसके लिए जिला में 335 परीक्षा सेंटर बनाए गए थे। इनमें नारनौल में 50, कनीना में 45, अटेली में 55, महेंद्रगढ़ में 72 और नांगल चौधरी खण्ड में 103 परीक्षा सेंटर थे। इस तरह जिलाभर के इन 325 परीक्षा सेंटर पर 3500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। यह परीक्षा वैसे तीन घंटे थी, लेकिन बुजुर्गों को देखते हुए सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे समय के बीच में जो भी परीक्षार्थी आया, उससे तीन घंटे परीक्षा ली गई। यह परीक्षा 150 अंक की थी। जिसमें अंक गणित के 50, रिडिंग के 50 और राइटिंग के 50 अंक शामिल रहे। इस परीक्षा में 3350 परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे।

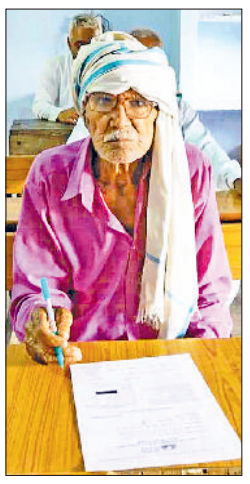

नारनौल। परीक्षा देता बुजुर्ग व परीक्षा में बैठे अन्य बुजुर्ग परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल खंड में 50 परीक्षा केंद्रों से 540 रहे उत्तीर्ण

नारनौल खंड के उल्लास परीक्षा कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अगेंद्र कुमार ने बताया कि खंड में 50 परीक्षा केंद्र बनाए गए। खंड में यह उल्लास परीक्षा का तीसरा चरण है, प्रथम दो चरणों में 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने उल्लास परीक्षा दी थी।

■ 15 साल से अधिक उम्र के निरक्षरों को किया जा रहा शामिल

इस परीक्षा के दौरान स्कूल मुखिया परीक्षा अधीक्षक रहे और क्लस्टर हेड द्वारा अपने अपने क्लस्टर में में निरीक्षण किया गया। उल्लास कार्यक्रम में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 15 साल से अधिक उम्र के निरक्षरों को शामिल किया जा रहा है। इस योजना का मकसद समाज के सभी लोगों को आजीवन सीखने का मौका देना है। यह योजना केंद्र सरकार के कर्तव्य बोध की भावना पर आधारित है। इसे स्वैच्छिक सेवा के जरिए लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के जरिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान, जरूरी जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा का विकास किया जा रहा है। उल्लास कार्यक्रम स्वयंसेवा के माध्यम से कार्यान्वितए सामाजिक जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध की भावना को बढ़ावा देते हुए, शिक्षार्थियों को दीक्षा पोर्टल व उल्लास मोबाइल ऐप के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में शैक्षणिक अध्ययन के लिए भी प्रोत्साहित करता है। शिक्षार्थियों और स्वयंसेवी शिक्षकों को दिए जाने वाले प्रमाण पत्र इनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं जिससे निरंतर प्रगति होती है।

खबर संक्षेप

मिड डे मील वर्कर का प्रदर्शन आज

नारनौल। मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी की जिला प्रधान सुनीता व जिला सचिव सन्तोष यादव ने बताया कि 29 सितंबर को जिलाभर की मिड डे मील कार्यकर्ता लघु सचिवालय पार्क में एकत्रित होकर प्रदर्शन करेगी। इसके बाद उपायुक्त के मार्फत मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस प्रदर्शन को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह सम्बोधित करेंगे।

दुकानदार ने पर्स लौटाकर दिखाई ईमानदारी

कनीना। बस स्टैंड के समीप गिरे एक व्यक्ति के पर्स को मूल रूप में लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया है। पर्स में हजारों रुपये की नकदी सहित आधार कार्ड, ड्राईवर लाइसेंस, पेन कार्ड, वोटर कार्ड, एटीएम कार्ड जैसे जरूरी दस्तावेज भी थे। पर्स दुकानदार नरेश कुमार को मिला। जिसे उठाकर खोजबीन शुरू की। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर पर्स मालिक भूपेंद्र सिंह ने पर्स लौटाने की अपील की गई।

पहाड़ी माता का जागरण 2 को

महेंद्रगढ़। नवरात्रि के पावन अवसर पर रेलवे रोड विष्णु कॉलोनी स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर प्रांगण में गांधी जयंती पर 2 अक्टूबर रात्रि 8:15 बजे से श्री पहाड़ी माता का जागरण होगा। रतनलाल माधोगढ़िया ने बताया कि जागरण के अगले दिन 3 अक्टूबर प्रातः 7:15 बजे श्री पहाड़ी माता की 21वीं निशान पदयात्रा निकाली जाएगी।

सिटी थाने में आज लगेगा रक्तदान शिविर

महेंद्रगढ़। शहर थाना में 29 सितंबर को प्रातः 10 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शुभारंभ पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ द्वारा किया जाएगा। थाना प्रभारी पवन कुमार ने युवाओं से इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। रक्तदान केवल जरूरतमंदों के लिए ही नहीं, बल्कि देने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है।

किसानों का मंडी में पड़ा है 3700 क्विंटल बाजरा

महेंद्रगढ़ की अनाज मंडी में अब तक काटे जा चुके हैं 140 गेटपास

बाजरे का कलर उड़ा रहा किसानों के चेहरों का रंग, अभी तक सरकारी खरीद नहीं हुई शुरू

प्रदेश सरकार के आदेशानुसार 23 सितंबर से अनाज मंडियों में सरकारी समर्थन मूल्य पर शुरू होनी थी बाजरे की खरीद, लेकिन अब तक नहीं बिका एक भी दाना

सरकार ने खरीद मूल्यों में संशोधन करते हुए आदेश लागू कर दिया है कि अब मंडियों में बाजरे की खरीद एजेंसी 2150 रुपये की बजाए पूरे 2200 रुपये में करेंगी और भावांतर भरपाई योजना के तहत 575 रुपये सीधे किसानों के अकाउंट में डाले जाएंगे।

राजकुमार ⏭ महेंद्रगढ़

प्रदेश सरकार के आदेशानुसार अनाज मंडियों में 23 सितंबर से बाजरे की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद चालू हो जानी चाहिए थी, मगर कमाल की बात है कि पांच दिन बीतने के बावजूद महेंद्रगढ़ की अनाज मंडी में अब तक एक भी दाने की खरीद सरकारी मूल्य पर शुरू नहीं हो सकी है। इससे किसानों के चेहरों का रंग उड़ा हुआ है तथा वह रंग बाजरे की तरह ही पीला पड़ा हुआ है। किसान मंडी में बाजरा लेकर आ रहे हैं, लेकिन वह बिक नहीं रहा। दूसरी ओर सरकार ने खरीद मूल्यों में संशोधन करते हुए आदेश लागू कर दिया है कि अब मंडियों में बाजरे की खरीद एजेंसी 2150 रुपये की बजाए पूरे 2200 रुपये में करेंगी और भावांतर भरपाई योजना के तहत 575 रुपये सीधे किसानों के अकाउंट में डाले जाएंगे।

महेंद्रगढ़। मंडी में पड़ा किसानों द्वारा लाया गया बाजरा। फोटो : हरिभूमि

यह कहती हैं अधिकारी

बाजरे की खरीद उच्चाधिकारियों के अनुसार चलेगी। सरकार ने बाजरा खरीद के नियम तय किए हुए हैं। अब तक मंडी आया बाजरा नियमों पर खरा नहीं उतर रहा। किसान प्राइवेट में आढ़तियों के यहां भी बाजरा बेच सकते हैं। उन्हें जे फार्म भरना अनिवार्य है। यह फार्म भरेंगे, तब ही उन्हें बाजरा बेचने पर भावांतर भरपाई का पैसा मिल सकेगा। यहां मंडी में आए बाजरे के सैंपल लेकर रेवाड़ी भेजे गए थे, जो फेल पाए गए है। इसी कारण बाजरा नहीं खरीदा जा सका है।

-आनंद देवी, मैनेजर, स्टेट वेयर हाउस, रेवाड़ी

महेंद्रगढ़। बाजरा आवक का निरीक्षण करते मार्केट कमेटी के अधिकारी।

अधिकारियों के भी जी का जंजाल बन गई बाजरे की खरीद

परपंरागत एक अक्टूबर की बजाए खरीफ मार्केटिंग सीजन–2025 के तहत मंडियों में गत 23 सितंबर से शुरू की गई बाजरे की खरीद किसानों और व्यापारियों के साथ-साथ अधिकारियों के भी जी का जंजाल बन गई है। पिछले पांच दिनों में सरकारी समर्थन मूल्य पर एक दाना बाजरा भी नहीं खरीदा गया है। मंडियों में लाया जा रहा बाजरा प्रदेश सरकार द्वारा तय किए गए गुणवत्ता के पैमाने पर खरा नहीं उतर रहा। हालांकि मंडियों में बिकवाली के लिए किसान बाजरा लेकर पहुंच भी रहे हैं। अकेले महेंद्रगढ़ अनाज मंडी की बात करें तो गत 23 सितंबर से अब तक करीब 140 किसान मंडी में लगभग 3700 क्विंटल बाजरा लेकर आ चुके हैं, लेकिन गुणवत्ता के आधार पर बाजरे की खरीद नहीं हो रही।

किसान, अधिकारी एवं व्यापारी सभी मायूस

मंडियों में पहुंच रहा बाजरा इस बार साफ-सुथरे सलेटिया सफेद रंग की बजाए पीला पड़ा हुआ है और यह सब अधिक बरसात के कारण हो रहा है। मंडी में आए बाजरे के खरीद अधिकारी एवं कर्मचारी सैंपल लेकर उसे जांच के लिए रेवाड़ी के किसान भवन भेजते हैं, लेकिन वहां जांच कराने पर मशीन इस बाजरे को फेल बता देती है। इसी कारण खरीद एजेंसी के अधिकारी सरकारी मानकों का हवाला देकर खरीद के लिए बाजरे को हाथ लगाने से पीछे हट रहे हैं। यह सिलसिला जिलेभर की मंडियों में पिछले एक-दो रोज नहीं, बल्कि चार-पांच दिनों से चल रहा है। इससे किसान, अधिकारी एवं व्यापारी आदि सभी मायूस हैं। बाजरे की खरीद नहीं होने से मंडियों में बाजरे की ढेरियां लगी हुई हैं तथा निराशाजनक भाव के चलते किसान अब मंडी में बाजरा लेकर आने भी कम हो गए हैं।

यह है स्थिति

प्रदेश सरकार द्वारा मंडियों में बाजरे की खरीद शुरू कर दी गई, लेकिन चार-पांच दिनों में एक भी दाना बाजरा सरकारी रेट पर नहीं खरीदा गया। खरीद शुरू नहीं होने के कारण किसान भी आढ़तियों के यहां ढेरियां लगाकर उन्हें टोकन व कांटा पर्ची थमाकर चले जाते हैं। इस बार अधिक बरसात के कारण पहले ही बाजरे की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। अब किसान पर मंडियों तक पहुंचने के लिए दोहरी मार पड़ रही है। यदि ढेरी अनसॉल्ड रहती हैं तो किसान व व्यापारी दोनों पर ही मजदूरी की दोहरी मार पड़ रही है।

यह बोले किसान

अगिहार के किसान रामपत शर्मा एवं निहालावास के किसान सुबेसिंह ने बताया कि बाजरा बिक्री के लिए वे मंडी के चक्कर लगा रहे हैं। टोकन तो मिल गया, लेकिन खरीद नहीं हुई है। आढ़ती की ओर से बताया जा रहा है कि गुणवत्ता में कमी है और यदि बाजरे की खरीद नहीं हुई तो उसे वापस ले जाना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में किसान को ट्रैक्टर-ट्राली या पिकअप बाजरा में डालकर मंडी में उतारने में भी अतिरिक्त खर्च लग रहा है।

डीसी ने बाजरा खरीद का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने नई अनाज मंडी का दौरा कर बाजरा खरीद कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खरीद प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को किसानों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कड़े निर्देश दिए। डीसी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि फसल बेचते समय किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अपने निरीक्षण के दौरान डीसी ने मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं पीने के पानी, छाया, शौचालय और विश्राम स्थलकृका भी बारीकी से जायजा लिया। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार, मार्केट कमेटी की सचिव नुकुल यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

■ किसानों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कड़े निर्देश दिए

नारनौल। अनाज मंडी में बाजरा खरीद के बारे में जानकारी लेते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

30 को उन्हाणी की ग्रीवेंस मीटिं में रखे जाएंगे 12 मामले

जिला लोक संपर्क व जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक में सहकारिता मंत्री सुनेंगे शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा 30 सितंबर को दोपहर एक बजे राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हाणी में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित 12 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से समाधान किया जाएगा।

ये मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि उप मंडल अधिकारी नारनौल, अधीक्षण अभियंता कार्यकारी अभियंता, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग नारनौल, कार्यकारी अभियंता नगर परिषद नारनौल का एक, पुलिस अधीक्षक के दो, उप मंडल अधिकारी महेंद्रगढ़, जिला नगर आयुक्त, अधीक्षण अभियंता कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग महेंद्रगढ़, नगर पालिका सचिव महेंद्रगढ़ का एक, अधीक्षण अभियंता कार्यकारी अभियंता दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम महेंद्रगढ़ का एक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नारनौल, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी निजामपुर का एक, अतिरिक्त उपायुक्त का एक, जिला नगर आयुक्त कार्यकारी अभियंता, कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद नारनौल का एक, जिला खेल अधिकारी, जिला विकास एवं पंचायती अधिकारी, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नारनौल का एक, अधीक्षण अभियंता दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम नारनौल के दो व अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग नारनौल, नगर परिषद नारनौल का एक मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 21 की नई कॉलोनी जमालपुर का विपिन पाल शास्त्री व अन्य, गांव गडानिया की ग्यारसी देवी, महेंद्रगढ़ के डॉ. कंवरलाल जांगड़ा, महेंद्रगढ़ वार्ड नंबर एक रेलवे रोड का वेदप्रकाश, बिगोपुर का सुभाष चंद व अन्य ग्रामवासी, गली नंबर 16 मोहल्ला कैलाश नगर नारनौल की सरोज सोपणी, मोहनपुर नांगल का महिपाल, मोहल्ला मिश्रवाड़ा का दयानंद सोनी, बलाहा खुर्द का अमित कुमार, खोड़ का सरपंच, ग्राम पंचायत, नीरपुर का छोटेलाल व मालवीय नगर का मनोज कुमार व अन्य निवासीगण का मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा।

नारनौल। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस। फोटो : हरिभूमि

अज्ञात परिस्थितयों को 2 लोगों की मौत

नारनौल। जिले में अज्ञात परिस्थितयों में दो व्यक्तियों की मौत हो गई है। पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। गांव नीरपुर के जलेबी चौक पुल के समीप एक 40 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला है। मृतक की पहचान गांव शहरपुर निवासी अभय सिंह के रूप में हुई है। मृतक खेतीबाड़ी करता था। उसके तीन बच्चे हैं। जिनमें से दो लड़की व एक लड़का है। लड़के की उम्र करीब 14 साल है, जबकि लड़कियां बड़ी बताई जा रही हैं। उधर गांव धौलेड़ा में अज्ञात परिस्थितयों में एक 43 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। नांगल चौधरी के गांव धौलेड़ा निवासी करीब 43 वर्षीय त्रिलोकचंद अपने मकान में अकेला रहता था। उसके माता-पिता की कई साल पहले मौत हो चुकी। वहीं उसका भाई भी 15 साल पहले मर गया था। ग्रामीण ही उसे खाना देते थे। जब एक ग्रामीण महिला उसको चाय देने के लिए गई तो उसने उसको मृत देखा। इस पर उसने इसकी जानकारी अपने पति को दी।

सड़क हादसे में घायल ने अस्पताल में तोड़ा दम

कनीना। गांव कोका सुंदरह लिंक मार्ग पर टहलने के लिए घर से निकले एक व्यक्ति को अज्ञात बाइक चालक ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस बारे में कोका निवासी सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता प्रभुदयाल सायं करीब साढ़े तीन बजे सुंदरह मार्ग पर घूमने के लिए निकला था। ग्रामीण रामफल ने सूचना दी कि उसके पिता को अज्ञात बाइक चालक ने टक्कर मार दी है और वह फरार हो गया। परिजनों ने उसे महेंद्रगढ़ के निजी अस्पताल में दाखिल कराया। जहां उपचार के दौरान प्रभुदयाल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव का पंचनामा करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

एआई कोर्ट व स्मार्ट सीमांकन से नागरिकों को मिलेगी त्वरित व पारदर्शी सेवाएं

राजस्व दिवस पर ऑनलाइन डीड पंजीकरण की शुरुआत

हरियाणा के राजस्व विभाग में नई डिजिटल क्रांति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ने सुशासन और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में तीन प्रमुख सेवाओं को डिजिटल करने जा रही है। 29 सितंबर को राजस्व दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश स्तर पर इन सेवाओं की लॉन्चिंग करेंगे। वहीं जिला महेंद्रगढ़ में भी जिला स्तर तथा उपमंडल स्तर पर बड़े कार्यक्रम करके इस पहल की शुरुआत होगी।

भूमि का स्मार्ट सीमांकन

भूमि के सीमांकन की प्रक्रिया में सटीकता और गति सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने उन्नत जीएनएसएस रोवर तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है। सीमांकन के लिए लेइका जीएस 18 रोवर परिवार की उच्च-सटीक तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह तकनीक सेंटीमीटर-स्तर की सटीकता के साथ स्थान डेटा एकत्र करती है। इसमें टू टिल्ट कंपेंसेशन जैसी सुविधाएं हैं, जो सर्वेक्षणकर्ताओं को खंभे को पूरी तरह सीधा पकड़े बिना भी सटीक अंक कैप्चर करने में मदद करती है। विजुअल पोजीशनिंग का उपयोग करके खतरनाक या दुर्गम स्थानों में भी तेजी से और सुरक्षित रूप से माप लेना संभव हो गया है। नागरिक अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भूमि सीमांकन के लिए आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर सकेंगे

हरियाणा का डीड पंजीकरण पोर्टल नागरिकों के लिए संपत्ति हस्तांतरण प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सुरक्षित बनाएगा। अब नागरिक पोर्टल पर पंजीकरण करके बिक्री विलेख के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर सकेंगे।

क्या कहते है उपायुक्त

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इस नई प्रणाली से नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान होंगी।

एआई से लैस होगा राजस्व न्यायालय

राजस्व मामलों को निपटाने की पारंपरिक चुनौतियों को दूर करने के लिए हरियाणा ने एक अभूतपूर्व डिजिटल राजस्व न्यायालय शुरू करने जा रहा है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है। यह प्रणाली फेसलेस, पेपरलेस, प्रेजेंसलेस और कैशलेस तरीके से कार्य करती है। यह नागरिकों को गाइडेड फॉर्म के साथ ई-फाइलिंग की सुविधा प्रदान करती है, जो सीधे भूमि रिकॉर्ड के साथ एकीकृत है। इसमें वर्चुअल सुनवाई, स्वचालित वर्कफ्लो और रीयल-टाइम ट्रैकिंग के लिए नागरिक इंटरफेस जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जिससे मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित होगा।

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाजी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धोरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कै तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु औढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता

डा. रणबीर सिंह दहिया

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सोखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता

विजय सिंह सिवाच

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सबकी ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेडैं नहीं फिर छोडैं नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक

ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली

डॉ. सत्यवान सौरभ

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाज़ों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम ज़हन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाज़ें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही ख़ूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज़ और बेहतरीन प्रस्तुति के ज़रिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज़ का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ, थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक ख़बरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आनंद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

खबर संक्षेप

जैलाफ में मनाई भगत सिंह की जयंती

नारनौल। गांव जैलाफ में शहीद ए आजम भगतसिंह की 118वीं जयंती मनाई गई। जिसमें बच्चों, युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने कहा कि देश के इंकलाब और इनकलाबी आन्दोलन के अग्रदूत युवाओं के दिलों में बसने वाले शहीद भगत सिंह ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ते हुए एक प्रेरणादायक मिसाल कायम की। आजादी आन्दोलन के ऐसे ही महान क्रान्तिकारी शहीदों की बदौलत देश आजाद हुआ।

40 से अधिक कुत्तों का किया टीकाकरण

महेंद्रगढ़। विश्व रेबीज दिवस के उपलक्ष्य में सेंट्रल यूनिवर्सिटी में हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र के सहयोग से निःशुल्क रेबीज़ टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एनिमल वेलफेयर क्लब एवं सुवान संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर में विशेष अतिथि रीजनल सेंटर महेंद्रगढ़ के पशु स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अमित सांगवान ने अपनी विशेषज्ञता साझा की और टीकाकरण किया। शिविर के दौरान विश्वविद्यालय परिसर के 40 से अधिक कुत्तों को निःशुल्क रेबीज़ रोधी टीके लगाए गए। साथ ही रेबीज़ के खतरे, इसके बचाव और समय पर टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

कथा में सुनाया शिव-पार्वती विवाह प्रसंग

सतनाली मंडी। जमुवाय माता मंदिर में चल रही नौ दिवसीय संगीतमय श्रीशिवमहापुराण कथा के छठे दिन चित्रकूट धाम से पधारे कथा वाचक संत स्वामी कमलदास बापू ने श्री शिव पार्वती विवाह की कथा सुनाकर भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि वैसे तो शिव पार्वती विवाह के अनेक कारण हैं, जिसमें शिव पुत्र कार्तिकेय द्वारा तारकासुर दैत्य का वध भी एक प्रमुख कारण है। आत्मा का परमात्मा से मिलन ही शिव में लीन होना है। भगवान शंकर वैराग्य के देवता हैं। फिर भी उन्होंने विवाह कर संसार को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि गृहस्थ जीवन जीते हुए भी वैराग्य और योग धर्म का पालन किया जा सकता है।

रामायण का प्रत्येक पात्र देता है जीवन की सीख: राव दान सिंह

परिषद की लीला में राम-भरत मिलाप देखने उमड़ा भारी जनसैलाब

- मंचन के दौरान राम और भरत के बीच प्रेम और त्याग के भाव को जीवंत रूप में दर्शाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शनिवार रात्रि नगर के मध्य स्थित भगवान परशुराम चौक पर श्री रामलीला परिषद द्वारा आयोजित रामलीला में भरत मिलाप का भव्य मंचन हुआ। पूर्व सीपीएस राव दान सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता सीए नरेश गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन राव रामकुमार उपस्थित रहे। कमाल की बात यह है कि इस रामलीला को देखने के लिए शहर एवं आसपास के गांवों के लोगों भारी जनसैलाब के रूप में देखने को उमड़ रहे हैं।

यह पहली बार था जब खुले मंच पर भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया। मंचन के दौरान राम और भरत के बीच प्रेम और त्याग के भाव को जीवंत रूप में दर्शाया गया। भरत जब सब्जी मंडी से पैदल चलकर भगवान परशुराम चौक पर बने चित्रकूट की कुटिया पर पहुंचे और जब भगवान राम ने भरत को आगे बढ़कर गले लगाया तो कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोग भाव विभोर हो उठे। दर्शकों ने राम के आदर्शों और भरत की भावनाओं को मंच पर जीवंत रूप में देखा। सभी माताओं को श्वेत वस्त्रों में देख राम लक्ष्मण के मुख से चीत्कार निकटी जिसने सभी को रोने पर मजबूर कर दिया। राम के अभिनय में रवि सैनी, लक्ष्मण जयसिंह, भरत राहुल नरवलिया, शत्रुघ्न पंकज यदुवंशी, वशिष्ठ सतीश श्रवण, जनक अनिल टालावाला ने अपने अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय किया। मंच पर एक बड़ी एलइडी लगाकर भरत के सब्जी मंडी से पैदल आते दृश्य को मंच पर गीतों की सुंदर प्रस्तुति के साथ दिखाया गया जिसे देख दर्शक आनंदित हुए।

महेंद्रगढ़। राम–भरत मिलाप की लीला का मंचन करते कलाकार। व रामलीला देखने को पंडाल में उमड़े दर्शक। फोटो: हरिभूमि

सुरेश मक्कड़ के गीतों ने डाली जान

इस मंचन की कल्पना स्व. मास्टर जयनारायण द्वारा की गई थी, जिसे इस वर्ष की लीला में साकार रूप दिया गया। कवि सुरेश मक्कड़ द्वारा लिखित गीतों ने इस दृश्य में जान डाल दी। इस अवसर पर लीला के संयोजक सुधीर दीवान ने कहा कि नगर के मध्य हुए इस मंचन ने सभी कलाकारों को एक नया जोश और उत्साह प्रदान किया है। सभी कलाकारों की मेहनत का परिणाम है कि सभी लोग यह दृश्य देखकर बहुत प्रसन्न और आनंदित हैं।

यह बोले मुख्यातिथि

मुख्य अतिथि ने कहा कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाली अमूल्य धरोहर है। इसका प्रत्येक पात्र जीवन को सही मायने में जीने की सीख देता है। इस मंचन ने न केवल रामायण के संदेश को जीवंत किया, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया है। राम और भरत के संवाद ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन की कठिनाइयों और परिस्थितियों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर सुरेन्द्र दायमा, प्रदीप बलरोडिया, आनंद शर्मा, नवीन सेठ, मोहनलाल जोशी, राजेश लोहिया, सुशील शर्मा, कृष्ण चेयरमैन, ओमप्रकाश खुराना, विजय अग्रवाल, सुनील यादव, हरि सिंह यादव सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे।

नारनौल। रामलीला में मंचन करते कलाकार। फोटो: हरिभूमि

सीता हरण व शबरी मिलन की लीला का मंचन

नारनौल। अनाज मंडी स्थित श्रीकृष्णा ड्रैमेटिकल क्लब के रंग मंच पर भगवान नारायण सेवा संस्था की ओर से आयोजित भगवान श्रीराम की लीला मंचन के नौवें दिन रावण मारीच संवाद, सीता हरण, शबरी मिलन की लीला का मंचन किया गया। मंच संचालन भारत भूषण तायल ने किया। रामलीला कमेटी के प्रधान मोनू भाटा ने बताया कि रामलीला का शुभारंभ सुधीर शर्मा समाजसेवी, प्रभाष छक्कड़ ग्रीवेंस कमेटी सदस्य, अरुण नुनीवाल समाजसेवी, बदीप्रसाद अग्रवाल ने गणेश पूजन कर किया। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि राम का अभिनय अरविंद गर्ग, लक्ष्मण का मनोज निर्मल, सीता का विवेक शर्मा, रावण का मुकेश आनंद, जोगी रावण का दया ढुलगच, मारीज का जगदीश बिल्ला, शबरी का वेदप्रकाश सैनी, शूर्पणखा का इंद्रजीत सैनी ने किया। इस मौके पर नरेश तायल, कर्तव्य निर्मल, हिमांशु निर्मल, जीतू, सहसचिव प्रीति अग्रवाल, विजय जैन, दयानंद सैनी, प्रेम गुलाटी, जोगेंद शर्मा, हन्नी, दीपक सैन, सोनू शर्मा, अरविंद सैनी, देवीलाल, होशियार, धर्मवीर, विष्णु डेनवाल आदि मौजूद थे।

भरत मिलाप व शूर्पणखा के नाक-कान काटने का मंचन

मंडी अटेली। कस्बे के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति के नेतृत्व में चल रही रामलीला में भरत मिलाप व शूर्पणखा के नाक-कान काटने का शानदार मंचन किया गया। सबसे पहले भरत मिलाप मंचन में दिखाया गया कि भरत व शत्रुघ्न ननिहाल से अयोध्या लौटते हैं। वहां उन्हें राम, सीता व लक्ष्मण के वनवास तथा पिता दशरथ के निधन का समाचार मिलता है। भरत व माता कैकई के बीच तीव्र वाद-विवाद होता है। इसके बाद भरत तीनों माताओं, ऋषि वशिष्ठ व नागरिकों के साथ चित्रकूट जाते हैं। मार्ग में राजा गोह से भेंट होती है। राजा गोह अपनी सेना के साथ भरत को राम तक पहुंचाते हैं। राम-भरत मिलाप का दृश्य भावुक रहा। दोनों भाई एक-दूसरे को गले लगाकर रो पड़े। इसमें दिखाया कि वनवासी जीवन बिता रहे प्रभु राम, लक्ष्मण और सीता के पास लंका की राजकुमारी शूर्पणखा पहुंची।

हैप्पी एवरग्रीन स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सेवा पखवाड़ा के तहत नशा मुक्ति, स्कूल की चुनौती नामक राष्ट्रीय मुहिम के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण से जागरूकता रैली के साथ हुई, जिसे मुख्य अतिथि सिटी थाना प्रभारी पवन कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संस्था के संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल एवं विद्यालय प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अभियान के संयोजक राजेश शर्मा झाड़ली ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिलेभर में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने हेतु पोस्टर, नुक्कड़ नाटक और रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि तंबाकू एवं नशा हमारे जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है, जो कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बनता है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल एवं चेयरमैन सुभाष चंद्र अग्रवाल ने विद्यार्थियों को तंबाकू से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके हानिकारक प्रभावों को जन–जन तक पहुंचाना आवश्यक है।

महेंद्रगढ़। हैप्पी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

एचपीएस में गरबा उत्सव धूमधाम से संपन्न

1000 से अधिक लोगों ने एक साथ मां दुर्गा की आरती में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को डांडिया उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय की चेयरपर्सन पुष्पा वर्मा थी। विशिष्ट अतिथि सिंघानिया यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. सुनील कुमार सोबती थे। शुभारंभ मुख्य अतिथि सहित रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट राजकुमार चौधरी, रोटरी क्लब बेलाज की प्रेसिडेंट निर्मल जिंदल, संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निर्देशक पुष्करमल वर्मा ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम के दौरान भक्तिभाव चरम पर तब पहुंचा, जब 1000 से अधिक लोगों ने एक साथ मां दुर्गा की आरती में भाग लिया।

विद्यालय के डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, विशिष्टजनों व स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने पारंपरिक गुजराती डांडिया नृत्य, लाइव म्यूजिक, डीजे नाइट, फूड स्टॉल्स, झूले, खेल, घुड़सवारी व विभिन्न आकर्षक स्टॉल्स का आनंद लिया।जिसमें प्रथम पुरस्कार 32 इंच स्मार्ट टीवी, द्वितीय एंड्रॉयड स्मार्टफोन, तृतीय मिक्सर ग्राइंडर, चतुर्थ दो ट्रॉली बैग, पांचवां दो डिजिटल वॉच, छठा तीन गिफ्ट हैम्पर बैग, सातवां दो ईयरपॉड व तीन नेकबैंड, आठवां व नौवां 10 मिल्टन गिफ्ट हैम्पर के इसके अतिरिक्त सभी विजेताओं को सेशन 2026-27 में प्रवेश लेने पर 5100 का विशेष एडमिशन डिस्काउंट ऑफर प्रदान किया गया।

नारनौल। गरबा उत्सव में भाग लेते विद्यार्थी व स्कूल स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

नौ लकी ड्रा निकाले

कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ ड्रेस, सर्वश्रेष्ठ नृत्य, गरबा किंग, गरबा क्वीन व लकी ड्रा जैसी प्रतिस्पर्धाओं ने प्रतिभागियों को मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया। नवरात्रि के नौ दिनों के प्रतीकात्मक रूप में कुल नौ लकी ड्रा निकाले गए।

बच्चों के साथ दोस्ताना संबंध बनाकर नजर रखें अभिभावकः यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

बच्चों का सेल्फ विवेक स्ट्रांग नहीं होता, उन्हें परिवार या शिक्षण संस्था में जैसा माहौल मिलेगा, उसके अनुसार दैनिक दिनचर्या बनाएंगे। इसलिए परिजनों को अनुशासित जीवनशैली रखने के अलावा बच्चों के साथ दोस्ताना संबंध स्थापित करने अनिवार्य हैं। स्कूल की मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट व सोसायटी पर नजर रखें और छोटी छोटी उपलब्धियों पर प्रोत्साहित करते रहें। उक्त विचार सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमैन दयाराम यादव ने अभिभावक शिक्षक बैठक में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य वंदना यादव ने की। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई को लेकर अधिकांश अभिभावक अग्रेसिव होते हैं। परीक्षा में कम अंक मिलने या अन्य लापरवाही पर गुस्सा करने लगते हैं। जिससे बच्चों में मानसिक तनाव की समस्या बढ़ रही है। तनाव ग्रस्त बच्चा एकाग्र होकर पढ़ाई नहीं कर सकता तथा परिणाम में निरंतर पिछड़ने लगेगा और स्कूल जाने से जी चुराने लगेगा।

नांगल चौधरी। अभिभावक शिक्षक बैठक में मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करते एमडी अमित यादव।

महेंद्रगढ़। मीटिंग करते अभिभाव क व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

ज्ञान कोष स्कूल में हुआ अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन

महेंद्रगढ़। गांव खरखड़ा आकोदा स्थित ज्ञान कोष ए ग्लोबल स्कूल में रविवार को अभिभावक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सीईओ राकेश कुमार ने बताया कि अभिभावक शिक्षक मिलन समारोह में शिक्षकों को रणनीतियों पर चर्चा करने का अवसर देते हैं, जिन्हें माता-पिता और अभिभावक छात्राओं की शिक्षा का समर्थन करने के लिए घर पर लागू कर सकते हैं, जिसमें किसी छात्र को स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से रोकने वाली कोई भी शैक्षणिक या व्यवहार संबंधी बात है शामिल है। प्राचार्य रामनिवास यादव ने बताया कि विद्यालय में अपने बच्चों की वार्षिक रिपोर्ट लेने के लिए आयोजित पेटीएम में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपने बच्चों की वार्षिक रिपोर्ट में नए सत्र के लिए अपने सुझाव विद्यालय प्रबंधन से साझा किया।

आरपीएस स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा में उमड़ी भीड़

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय में रविवार को आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में विद्यार्थियों की भीड़ उमड़ी। इस परीक्षा में कक्षा प्रथम से 11वीं तक के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि परीक्षा देने आए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का विद्यालय स्टाफ सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस परीक्षा में केवल महेंद्रगढ़ जिले से ही नहीं, बल्कि प्रदेश और दूसरे राज्यों से आए छात्र-छात्राओं ने भी उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय प्रबंधन ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विशेष तैयारियां की थी। परीक्षार्थियों के बैठने की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया था। इसके साथ ही अभिभावकों के लिए भी बैठने का विशेष प्रबंध किया गया, जहां संगीत टीम ने अपने मधुर स्वरों से उन्हें बांधे रखा। इस दौरान, विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों को बच्चों की उपलब्धियों से भी अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने बताया कि इस स्कॉलरशिप परीक्षा के माध्यम से विशेष मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी प्रतिभा के अनुसार प्रत्येक कक्षा में दाखिले के समय विशेष छूट प्रदान की जाएगी। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस ग्रुप अभिभावकों के विश्वास को बनाए रखे हुए है, जिसका परिणाम है कि ग्रुप के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने संस्था के मुख्य उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य प्रत्येक तबके के विद्यार्थियों को बिना किसी भेदभाव के सर्वोत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाना है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से कोई भी वंचित नहीं रहेगा। ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि पहले इस क्षेत्र के लोगों को अच्छी शिक्षा के लिए दूर जाना पड़ता था। परीक्षा के आयोजन में उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड, विंग हेड देवेंद्र पूनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, प्रीतिका शर्मा, अनीता अहलावत आदि का विशेष सहयोग रहा।

महेंद्रगढ़। स्कॉलरशिप परीक्षा देने उपरांत बाहर निकलते हुए।

तीसरी लड़की के जन्म पर किया कुआं पूजन

मंडी अटेली। आज हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में अपना नाम कमा रही हैं। अब बेटियों को इतना मान सम्मान मिलने लगा है कि बेटियों के जन्म पर थाली बजती है कुआं पूजन होता है, मंगल गीत गाए जाते हैं तथा शादी में घोड़ी पर बनवारा निकाला जाता है। जिला में कई ऐसे वाकये सामने आ चुके हैं। इसी कड़ी में एक ओर पहल गांव सिहमा में सामने आई है। इस गांव की खुद महिला सरपंच सुमन देवी ऐसे कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेती है। वह लड़का लड़की में कोई भेदभाव नहीं देखती है। उनका मानना है कि रूढ़िवादी सोच को पीछे छोड़ अब एक नया दौर शुरू करने में हरियाणा की बेटियां अहम भूमिका अदा कर रही है। गांव में एक परिवार ने अपने यहां कन्या जन्म की खुशी के उपलक्ष्य में कुआं पूजन एवं प्रीतिभोज समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर गांव के गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए परिवार के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि लड़कियों के जन्म पर कुआं पूजन समाज में कायम बेटियों के प्रति सोच में बदलाव लाएगा।

शहीद भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणा

महेंद्रगढ़। हारट्रोन स्किल एवं कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर सतनाली मोड महाराणा प्रताप चौक महेंद्रगढ़ पर शहीद भगत सिंह जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए बीडीसी मेंबर कैलाश दत्त शास्त्री ने कहा कि भगत सिंह एक व्यक्ति नहीं बल्कि इतिहास है।युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।ऐसा बलिदान विश्व इतिहास में अद्वितीय है। मात्र 23 वर्ष की उम्र में देश के युवाओं में आजादी के लिए नई जागृति और प्रेरणा पैदा करके अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाला भगत सिंह युवाओं के लिए देशभक्ति की एक नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि अमर क्रांतिकारी भगत सिंह के विचार हर युवा को देश सेवा करने के लिए ऊर्जास्वित करते रहेंगे।देश को आजाद करने के लिए उनका बलिदान ऐतिहासिक है।हम सबको अमर क्रांतिकारी देशभक्त शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश सेवा के कार्यों में अपनी भागीदारी करनी चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष सवेरा स्वयंसेवी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मनोज गौतम ने भगत सिंह के देश को बचाओ साथियो कविता सुनाकर सभी युवाओं में जोश भर दिया।उन्होंने कहा विश्व इतिहास में इतनी कम उम्र में एक क्रांतिकारी विचारधारा को जन्म देकर देश के लिए बलिदान हो जाना महान कार्य है।

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पीटीएम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेन्द्रगढ़

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अभिभावक–शिक्षक बैठक का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और अपने बच्चों की शैक्षिक प्रगति एवं व्यवहारिक विकास के बारे में शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा अपनाई जा रही नवीन शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल सुविधाओं एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रयासों की सराहना की। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की पढ़ाई में सुधार के सुझाव दिए और अभिभावकों को घर पर बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की सलाह दी। विद्यालय के चेयरमैन बीएल यादव ने कहा कि विद्यालय और अभिभावक, दोनों ही बच्चे के भविष्य के निर्माता होते हैं। यदि घर और स्कूल एक साथ मिलकर कार्य करें तो बच्चे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल का उद्देश्य सिर्फ अकादमिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन और व्यक्तित्व निर्माण पर भी हमारा विशेष ध्यान है।

बैठक का समापन धन्यवाद के साथ हुआ, जिसमें सभी अभिभावकों के सहयोग एवं उपस्थिति की सराहना की गई।

महेंद्रगढ़। टैगोर स्कूल में पीटीएम में भाग लेते हुए। फोटो: हरिभूमि

जेजेपी कार्यकर्ता ने ग्रामीणों को दिया सम्मेलन का निमंत्रण

निजामपुर। जजपा के हलका प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर, प्रभारी विनोद भील व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हजारीलाल लंबोरा ने इकबालपुर नंगली, भोजावास, शिमली, नांगल दुर्गू, नयागांव, गांवड़ी जाट में ग्रामीणों को जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का निमंत्रण दिया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को वाहनों की जिम्मेवारी सौंपी तथा सम्मेलन को सफल बनाने के दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जननायक जनता पार्टी का गठन पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल पर आधारित है। जिसमें कर्मठ कार्यकर्ताओं को बड़ी जिम्मेवारी सौंपने की परंपरा बनी हुई है। पार्टी सुप्रीमो ने प्रत्येक जिले में कार्यकर्ता सम्मेलन करने का शेड्यूल बनाया है। 30 सितंबर को सीटी मैरिज प्लेस नारनौल में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन प्रस्तावित है, जिसमें डॉ. अजय सिंह चौटाला व पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। 150 वर्करों को वालियंटर का दायित्व दिया गया है। जिन्हें अनुशासन बनाए रखने के साथ पेयजल आपूर्ति करना होगा। युवाओं का जत्था 1100 बाइकों से डॉ. अजय चौटाला व पूर्व डिप्टी सीएम की अगुवानी करेंगे। पंडाल में महिला वर्करों के बैठने के लिए अलग से प्रबंध किया जाएगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष चैनसुख तोताहेड़ी, सचिव नरेश कुमार, संगठन सचिव आजाद सिंह, राकेश अकबरपुर, कर्णसिंह सरेली, हरफूल, सतबीर पहलवान, कैलाश दंचोली, रोहताश सरेली, अमरसिंह कालबा, संदीप छिलरो, अशोक यादव नंगली, डेलीगेट कृष्ण कुमार गोद आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बिजली बिल समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान हेतु 30 सितंबर को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

कार्यकर्ताओं ने सुना मन की बात कार्यक्रम

मंडी अटेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 126 वां एपिसोड का लाइव कार्यक्रम स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार के साथ मंडल के पदाधिकारियों ने ध्यानपूर्वक सुना। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नवरात्रि के इस समय में हम शक्ति की उपासना करते हैं।

विधायक ने बाजार दौरा कर जानी व्यापारियों की राय

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव ने जीएसटी सुधारों पर शहर में व्यापारियों और आमजन से संवाद किया। इसमें गोयल इजी बाजार, भारद्वाज रेडीमेड, मेहता मेडिकल, सोम मेडिकल आदि दुकानों पर विधायक ने नेक्स्ट जेन जीएसटी पर संवाद किया। नए सुधारों से व्यापारियों वउपभोक्ताओं दोनों को सीधा लाभ मिलेगा।

माता भूरा भवानी मंदिर में की पूजा-अर्चना

महेंद्रगढ़। रविवार को माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ में नवरात्रों के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की गई। साध्वी शक्तिनाथ ने बताया कि सप्तमी का विशेष महत्व है। माता कालरात्रि ने असुरों का वध करने के लिए यह रूप धारण किया था। ऐसी मान्यता है कि सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना करने से भूत, प्रेत व बुरी शक्तियों से छुटकारा मिलता है।

डीसी ने किया फसल गिरदावरी का निरीक्षण

नारनौल। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने रविवार को राजस्व विभाग की ओर से किए जा रही फसल गिरदावरी कार्य का विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित राजस्व अधिकारियों व कर्मचारियों से गिरदावरी की प्रक्रिया की जानकारी ली और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फाइनेंसर पर लगाया धोखाधड़ीका आरोप,

नारनौल। गांव नांगल दुर्ग निवासी एक व्यक्ति ने एक फाइनेंसर पर धोखाधड़ी करके उससे अधिक पैसे वसूलने का आरोप लगाया है। व्यक्ति की शिकायत पर निजामपुर थाना पुलिस ने फाइनेंसर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव नांगल दुर्ग निवासी राधेश्याम ने पुलिस को दी

शिकायत के बाद अधिकारी नहीं ले रहे संज्ञान, जिम्मेदार नहीं उठाते फोन

छह माह से सीवर ओवरफ्लो होने से लोग परेशान शिकायतों पर सोई नपा, विधायक भी बने मूकदर्शक

शहर के मुख्य मार्ग पर खड़ा से करीब 50 फीट दूर तक सीवर का गंदा पानी, 70 गांवों का आवागमन हो रहा है प्रभावित

नारनौल। सड़क पर जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर का मोहल्ला पुरानी सब्जी मंडी पिछले छह माह से सीवर ओवरफ्लो की मार झेल रहा है। मुख्य मार्ग पर करीब 50 फीट तक सीवर का गंदा पानी रोज जमा रहता है। स्थानीय लोगों ने दर्जनों बार नगर परिषद अधिकारियों से लेकर स्थानीय विधायक तक गुहार लगाई। किसी ने भी समस्या के समाधान का प्रयास नही किया। अब हालत यह है कि लोग गंदगी व बदबू के बीच जीने को मजबूर हैं।

पुरानी सब्जी मंडी का यह मार्ग शहर के मुख्य मार्गो में से एक है। प्रतिदिन इस मार्ग से हजारों की संख्या में लोग आवागमन करते है। सुबह-शाम शहर के माता पथारवा मंदिर में जाने वाले महिलाओं को भी इस गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। सब्जी के व्यापारी तथा ग्राहकों को भी जलभराव के चलते परेशानी उठानी पड़ रहीं है। स्थानीय लोगों की ओर से कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या के बारे में अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारी न तो मौके पर आते हैं तथा न ही फोन उठाते हैं। लोग कहते हैं कि हर रोज गंदगी से होकर गुजरना उनकी मजबूरी बन गया है, जबकि जिम्मेदार सिर्फ आश्वासन देने में व्यस्त हैं।

सरकार व नपा पर उठे सवाल

लोगों का कहना है कि जब जनता को राहत देने की जिम्मेदारी प्रशासन की है तो फिर छह माह से समस्या का समाधान क्यों नहीं किया गया। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को काफी बार समस्या के बारे में अवगत कराया जा चुका है। इसके अलावा कार्यालय में पहुंचकर अपनी समस्या रखी जा चुकी है। अधिकारी उन्हें आश्वासन देकर वापस भेज देते है लेकिन जब समस्या के समाधान को लेकर अधिकारियों के पास फोन करते है तो उनका फोन तक नही उठाते। अब सवाल यह है कि आखिरकार वह अपनी समस्या लेकर किसके पास जाएं।

बीमारी फैलने बना है खतरा

एडवोकेट सतेंद्र कुमार का कहना है कि एक तरफ सरकार सेवा पर्व बनाकर जनता को स्वच्छता का संदेश दे रही है लेकिन धरातल पर कुछ ओर ही है। उनके मोहल्ले में छह माह से सीवर का गंदा पानी जमा है। जिला प्रशासन से लेकर सरकार के सामने समस्या रखी जा चुकी है। समाधान नहीं हो रहा है। गंदे पानी से मच्छर पनप रहे हैं तथा डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां होने का खतरा बना हुआ है।

एडवोकेट सतेंद्र कुमार

70 गांवों व मंदिर के श्रद्धालु भी परेशान

इस मार्ग से नांगल चौधरी क्षेत्र के करीब 70 गांवों के लोग शहर में आते हैं लेकिन जलभराव के चलते उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा इस मार्ग पर स्थित माता पथवारी मंदिर में हजारों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें भी गंदगी से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक जगह लंबे समय से गंदा पानी खड़ा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। स्थानीय लोगों को डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का ड़र बना हुआ है

गंदे पानी से होकर गुजर रहे है लोग

प्रशांत।

स्थानीय निवासी प्रशांत का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग आवागमन करते है। कॉलेज व निजी संस्थानों के काफी बच्चे पैदल ही यहां से गुजरते है। उन्हें गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ है। गंदे से गुजरने वाले वाहनों की गति तेज होने के चलते कई बार उनके कपड़े भी खराब हो जाते है। इसके अलावा सब्जी के व्यापारियों व ग्राहकों को भी प्रतिदिन परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन को गंभीरता से इस समस्या का समाधान करना चाहिए।

श्रमिकों ने पसीने की बूंदों से राष्ट्र को सजाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

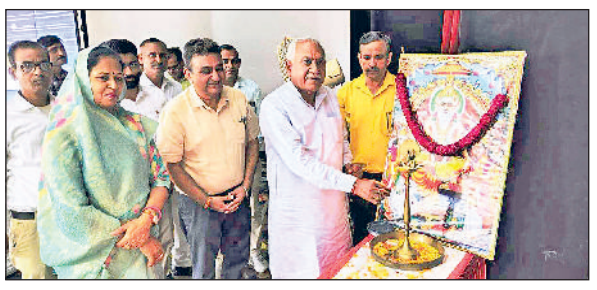

नारनौल। दीप प्रज्ज्वलित कर जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करते विधायक ओमप्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

श्रमिक सम्मान व जागरूकता समारोह आयोजित

पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार पंक्ति में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति के विकास को प्रतिबद्ध है। देश के विकास में श्रमिकों का अहम योगदान है। श्रमिकों ने अपने पसीने की बूंदों से इस राष्ट्र को सजाया है। यादव रविवार को लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में मनाए जा रहे सेवा पर्व के तहत आयोजित जिला स्तरीय श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों ने बड़ी एलईडी स्क्रीन के जरिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का संबोधन सुना। राज्य स्तरीय कार्यक्रम गुरुग्राम में आयोजित किया गया था, जहां से लाइव टेलीकास्ट किया गया था।

सीएम ने वर्चुअल माध्यम से अटल श्रमिक किसान कैंटीन में यूपीआई आधारित भुगतान को 113 कैंटीन में लागू किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि हरियाणा व केंद्र सरकार गरीबों के कल्याण के लिए हर रोज नई योजनाएं लेकर आ रही है। सभी नागरिक ई श्रम पोर्टल पर अपना पंजीकरण जरूर करवाएं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के लिए नारनौल की पुरानी अनाज मंडी के साथ व महेंद्रगढ़ में यादव धर्मशाला के पास श्रम विभाग की ओर से कैंटीन चलाई जा रही है। यहां पर 10 रुपये में मजदूरों को खाना दिया जाता है, ताकि मजदूर खाने की चिंता छोड़कर अपने श्रम पर ध्यान दें। इस अवसर पर नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने कहा कि सभी श्रमिक हरियाणा व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं तथा अपने परिवार को आर्थिक और सामाजिक तौर पर मजबूत बनाएं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर श्रम विभाग के सहायक निदेशक नवीन कुमार सैनी ने आगंतुकों का अपने संबोधन के माध्यम से स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ममता शर्मा ने किया। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार, सहायक निदेशक डॉ. राहुल ढुल, श्रम निरीक्षक विजय सिंह, श्रम निरीक्षक महेश कुमार के आदि नागरिक भी मौजूद थे।

वैदिक तार्किक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ संपन्न हुआ आर्य महासम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मंच से तीरदांजी प्रस्तुत करता किशारे। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने एवं महर्षि दयानंद के 201वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर आर्य समाज प्रांगण में दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ से हुआ। यज्ञ ब्रह्मा का स्थान प्रखर प्रवक्ता पूज्य स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती तथा यजमान व पुरोहित की भूमिका वैदिक विद्वान वेदपाल शास्त्री ने निभाई। आर्य समाज में रविवार को नौ विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने वैदिक तार्किक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें पैराडाइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुंडिया खेड़ा प्रथम रही।

आर्य समाज ने 5000 व स्मृति चिह्न से उसे सम्मानित किया। इसी तरह द्वितीय को 3000, तृतीया को 2000 व संतोषजनक तीन टीमों को 100-1100 रुपये ईनाम स्वरूप दिए गए। प्रथम सभा में सत्य सनातन वैदिक धर्म पर प्रकाश डालते हुए खानपुर से आचार्य प्रद्युम्न, दडोली आश्रम से स्वामी स्वामी समर्पणानंद, स्वामी हरिश मुनि, स्वामी एक्तानंद तथा डॉ. कैलाश कर्मठ, आचार्य डॉ. प्रियंका भारती, पूज्य स्वामी सच्चिदानंद महाराज एवं सभा के अध्यक्ष रीजनल मैनेजर राजीव यादव तथा डॉ. नीरज मेधार्थी आदि ने विचार प्रस्तुत किए। पतंजलि ग्राम उद्योग के महामंत्री दानवीर डॉ. यशदेव शास्त्री ने पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से 51,000 भेंट किए। सत्यवीर सिंह भगतजी व बहन केसर आर्या का विशेष सहयोग रहा।

अनहद शक्ति फाउंडेशन ने शहर में चलाया पॉलिथीन हटाओ अभियान

महेंद्रगढ़। स्वच्छता अभियान के दौरान उत्साहवर्धन करते विधायक कंवरसिंह।

महेंद्रगढ़। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत अनहद शक्ति फाउंडेशन के तत्वाधान में सब्जी मंडी में पॉलिथीन हटाओ, जीवन बचाओ अभियान चलाकर एक नई पहल शुरू की गई। कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव एवं तहसीलदार अजय कुमार मुख्य अतिथि रहे। विधायक ने अनहद शक्ति फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि महेंद्रगढ़ को स्वच्छ और सुंदर बनाने में संस्था की भूमिका प्रशंसनीय है और प्रशासन हर संभव सहयोग करेगा। संस्था की अध्यक्षा शैलजा यादव ने कहा कि यह मुहिम केवल एक दिन की नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनेगी। संस्था की बहनों के द्वारा पुराने कपड़ों से बने थैले ग्राहकों को वितरित किए गए और पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई गई। टीम ने इसकी शुरुआत सब्जी मंडी से शुरू करके राव तुलाराम चौक तक स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया व टीम द्वारा लगाए गए कूड़ेदान में ही पॉलिथीन डालने का लोगों से आग्रह किया। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ संरक्षक एवं सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश लावनिया, पूर्व प्राचार्य सुधीर लाम्बा, पर्यावरण संयोजक मुकेश कुमार काला आदि मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि उपरांत कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए यादव धर्मशाला से पहुंचे विधायक कार्यालय, सौंपा ज्ञापन

- ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी की ओर से रविवार को यादव धर्मशाला में जिला प्रधान पवन कुमार वाल्मीकि की अध्यक्षता में सभा आयोजित की गई। सभा में सबसे पहले आजादी आन्दोलन के गैर–समझौतावादी धारा के महान क्रान्तिकारी शहीद ए आजम भगतसिंह की 118वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वाल्मीकि सभा के जिला प्रधान ब्रह्मानंद ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने कहा कि शहीद जिस साम्राज्यवाद का डटकर विरोध किया था, आज भूमंडलीकरण के वेष में नीतियों ने आम जन गण का सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार ही छीन लिया है।

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में शहीद ए आजम भगत सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए।

विधायक के निजी सचिव को दिया मांगपत्र

तत्पश्चात यादव धर्मशाला से प्रदर्शन करते हुए विधायक कंवर सिंह यादव के कार्यालय पर पहुंचकर पहुंचे तथा एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान पवन कुमार बाल्मीकि, अशोक, रामफल, राजबाला, अनिल व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के नेता मुकेश कुमार की अगुवाई में विधायक के निजी सचिव राहुल यादव को ज्ञापन सौंपा।

युवाओं का माय भारत पोर्टल पर करवाया रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सेवा पखवाड़ा विभिन्न गतिविधियां करवाकर मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद कुमार खनगवाल ने बताया कि सेवा पर्व के 12वें दिन युवाओं का माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन संस्थान में करवाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान करियर काउंसलिंग के बारे में बताते हुए उप प्रधानाचार्य जीवन कुमार जिंदल ने युवाओं को करियर के बदलते स्वरूप, कार्यक्षेत्र की मांगों को समझने, उनके लिए सही मार्ग खोजने के बारे में जानकारी दी। एनसीसी प्रभारी व सेवा पखवाड़े के नोडल ऑफिसर मेजर वीरेंद्र सेकवाल ने स्वच्छता ही सेवा के बारे में प्रेरित करते हुए एक स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं, गंदगी छोड़ें, स्वच्छता अपनाएं, स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनें।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर वर्ग अनुदेशक सुनील कोसलिया, जगदीश, राजेश, गुरदयाल, अमित, मनीषा यादव, सुदर्शन, रविंद्र, मनोज आदि मौजूद थे।

ढाणी बाठोठा में 7.25 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन आज

नारनौल। क्षेत्र के कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हुए ढाणी बाठोठा में स्थापित सौर आधारित सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का उद्घाटन 29 सितंबर को किया जाएगा। यह परियोजना पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव के अथक प्रयासों का साकार रूप है, जिन्होंने क्षेत्र के किसानों को पानी की कमी से निजात दिलाने व कृषि को बढ़ावा देने के लिए इसे स्वीकृत कराया। सूक्ष्म सिंचाई एवं नहरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण हरियाणा की ओर से संचालित व नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित इस महत्वकांक्षी परियोजना की कुल लागत लगभग 72562500 रुपये है। यह परियोजना कुल 511 एकड़ कृषि भूमि को कवर करेगी, जिससे सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस मौके पर विधायक ओमप्रकाश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। विधायक ओमप्रकाश यादव के प्रयास से गांव चिंडालिया में 33 केवी सब स्टेशन का उद्घाटन किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग आठ करोड़ 90 लाख रुपये की लागत आएगी। इसके साथ ही डेरोली अहीर में 220 केवी सब स्टेशन का भी उद्घाटन किया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

छात्रा ने पाया इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा में द्वितीय स्थान

पीजी कॉलेज के दो विद्यार्थी बने सहायक प्रोफेसर

विश्व बेटी दिवस पर बेटियों ने राजकीय महाविद्यालय व जिले का परचम लहराया: डॉ. सत्यपाल सुलोदिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी व कॉलेज स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग के दो विद्यार्थियों ने सहायक प्रोफेसर पद पर ज्वाइन किया है। इसके अलावा निशिका ने विश्वविद्यालय स्तर की एमएसी प्राणी शास्त्र की परीक्षा के द्वितीय सेमेस्टर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं दूसरी तरफ मुस्कान शर्मा व कनुप्रिया ने सीएसआईआर वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद की ओर से संचालित नेट जेआरएफ की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक प्राप्त कर जिले और महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। विश्व बेटी दिवस के उपलक्ष्य पर जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने बेटियों की इस उच्च उपलब्धि पर सम्मानित किया।

उन्होंने विभागाध्यक्ष व महाविद्यालय कुलसचिव डॉ. सत्यपाल सुलोदिया व जीव विज्ञान विभाग के सभी स्टाफ सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राणी शास्त्र विभाग लगातार शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

कॉलेज के पब्लिक रिलेशन आफिसर प्रोफेसर डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग के दो विद्यार्थी बेटी डॉ. प्रिया व डॉ. अमित ने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में सहायक प्रोफेसर पद पर ज्वाइन किया है। वहीं एमएससी प्राणी शास्त्र विभाग की छात्रा ने विश्वविद्यालय परिक्षाओं में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा दो छात्राओं ने सीएसआईआर वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद की ओर से संचालित नेट जेआरएफ परीक्षा में क्रमशः 92वां व 124वां ऑल इंडिया रैंक प्राप्त करके न केवल महाविद्यालय, बल्कि जिले का नाम रोशन किया है।

सम्मानित किया

उन्होंने बताया कि इन सभी को महाविद्यालय वार्षिकोत्सव समारोह पर भी सर्टिफिकेट व पारितोषिक कर सम्मानित किया जाएगा। आज विश्व बेटी दिवस व नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य पर इन सभी छात्राओं को जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डॉ. पूर्ण प्रभा ने फूलमालाएं व पारितोषिक कर सम्मानित किया। मिठाइयां खिलाकर छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समस्त स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। महाविद्यालय कुलसचिव व विभागाध्यक्ष डॉ. सत्यपाल सुलोदिया ने बताया कि प्राणी शास्त्र विभाग के विद्यार्थी पिछले पांच साल में 22 नेट जेआरएफ की परीक्षा पास की है तथा 62 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में टॉप 10 में अपना नाम सुनिश्चित किया, जो महाविद्यालय व इलाके के लिए गर्व का पल है। इस अवसर पर सीनियर प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र मूदगिल, डॉ. सुधीर, डॉ. अनीष कुमार, डॉ. सोनू जागलान, डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ. ज्योति, डॉ. पूनम, डॉ. ज्योति जिन्दल, डॉ मनोज कनोजिया ने बेटियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।